B.R. College of Higher Edu.
P Tech. Deoband (SRE)

Assistant professor -
Parveen Raj

B.Ed IInd year

Subject - Knowledge, Language and curriculum

ज्ञान के अन्य प्रकार

⇒ अधिकारात्मक ज्ञान

⇒ संवेदी ज्ञान

⇒ क्रियात्मक ज्ञान

⇒ प्रदर्शित ज्ञान

⇒ सहज बोध अथवा अन्तः प्रज्ञा

1. अधिकारात्मक ज्ञान :- हमारे ज्ञान का अधिकतर भाग तर्क पर आधारित नही होता है, हम पहले से सिद्ध किये गये कुछ सिद्धान्तो द्वारा ज्ञान प्राप्त करते है। जैसे- पृथ्वी सूर्य के चारो ओर चक्कर लगाती है। इस प्रकार यह सिद्ध भी है और शिक्षको के माध्यम से भी प्रदान किया जाता है इसलिए किसी अधिकारी के द्वारा ~~दि~~ दिया गया ज्ञान अधिकारात्मक ज्ञान कहलाता है।

2. संवेदी ज्ञान :- वस्तुओ के अस्तित्व को अपने संवेगो से प्राप्त करते है। इसलिए इसे संवेदी ज्ञान कहा जाता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3. क्रियात्मक ज्ञान :- कर्म-2 हमारे निष्कर्ष अनुभवों पर आधारित होते हैं। इस प्रकार का ज्ञान प्रयोजनवाद के दर्शन पर आधारित है। यह ज्ञान व्यक्ति के अनुभव, प्रयोग, निरीक्षण के आधार पर होता है और यह व्यक्तिगत होता है।

4. प्रदर्शित ज्ञान :- मानव मस्तिष्क यद्यपि दो विचारों में तुरन्त ही सहमति या असहमति प्रकट करने में असमर्थ होता है तो उस समय वह परोक्ष रूप से उन विचारों में एक-दूसरे के साथ या अन्य के साथ तुलना करके इसमें सहमति स्थापित कर सकता है। इस प्रकार अन्य विचारों के हस्तक्षेप से प्राप्त किया गया ज्ञान तर्कपूर्ण या प्रदर्शित ज्ञान कहलाता है।

5. सहजबोध अथवा अन्तःप्रज्ञा :- सहज ज्ञान या बोध होता है। जब व्यक्ति अपने आप ज्ञान का अनुभव प्राप्त करता है। जैसे - आसमान नीला है। वह देखने से पता चला आसमान नीला है। इसलिए अपने आप किये गये अनुभव जिसमें व्यक्ति स्वयं साक्षी होता है। यह ज्ञान सहज बोध या अन्तःप्रज्ञा कहलाता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner